











दवा खरीदने निकली  
खुशबू हो गयी लापता

डडई। थाना क्षेत्र के लगाई युवा गाव निवासी नंदलाल चंद्रशंकरी की 27 वर्षीया पत्नी खुशबू देवी एक जून को घर से दवा लाने के लिए निकली थीं, लेकिन उसके बाद से अब तक लौट कर नहीं आई है। उन्होंने नंदडई थाना में आवेदन देकर पत्नी के लापता होने की सूचना दी है और उसकी सुकृत बरामदी की गुहार लगाई है। नंदलाल के अनुसार खुशबू देवी रविवार की सुबह दवा लाने के लिए मेराल गयी थीं। दो घंटे बीत जाने के बाद जब उन्होंने संपर्क करने की कोशिश की, तो उसकी मोबाइल रिचर्च ऑफ थी। ऐसी बार कॉल करने के बावजूद कोई संपर्क नहीं हो गया। शाम तक डिज़ाइन करने के बाद परिजन विटिह हो गये और आसपास के रिसोर्सों से संपर्क किए और गांव में तलाश की। लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। खुशबू देवी के हुक्माने के बारे में उन्होंने बताया कि वह हक्के उजले रंग की साड़ी पहनी थी, गोरी रंगां और लालभग 5 फीट 5 इंच लंबी है। नंदलाल ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को उनकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी मिले तो वे मोबाइल नंबर 8092667448 पर संपर्क करें। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## डांस में व्यवधान देख्या मंडप छोड़ भागा दूल्हा

डडई। थाना क्षेत्र के डडई खुदया टोला में मंगलवार रात एक शादी समारोह में डीजे और आकेस्ट्रा डांस के दौरान बारातियों और धरातियों के बीच जमकर झङ्गाड़ हो गया। घटना में दूर्घट पक्ष के कई लोग नशे में धूते थे। झङ्गाड़ के दौरान दूर्घट के जीजा और छोटे भाई की पिटाई हो गई, जिसे यह खुद दूल्हा बोल्डवल भुदया मंडप से भाग गया और शादी से इंकार कर दिया। दूर्घट पक्ष के लोगों ने न्यानीय जनप्रतिनिधियों और पुलिस को सूचना दी। उप प्रमुख प्रतिनिधि रामाशीष प्रसाद, मुख्या प्रतिनिधि महेश्वर राम, और एसआई सर्टेंडर राय संपत्ति अन्य लोग मोके पर पहुंचे। उन्होंने नियति को संभालते हुए घटों म्यांझाई के बाद दूर्घट को बुलाया और पुलिस व जनप्रतिनिधियों की मैट्रजूडों में शादी संपन्न कराई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कई युक्त शराब के नशे में आकेस्ट्रा डांसरों के साथ डांस करने के तहर बोकाहु था गए थे, जिससे विवाह उत्तम हुआ। हालांकि प्रशासनिक हस्तक्षेप से मामला शातिरीय ढंग से निपट गया।

## हर घर नल जल योजना में अनियमिता की हो जांच

कांडी। भाजपा विसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामलाला दुर्वे ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर गढ़वा जिले में हर घर नल जल योजना में भारी अनियमिता और भ्रात्याकार का आरोप लाया। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य प्रत्येक घर तक शुद्ध जल पहुंचाना था, लेकिन सर्वेदों की मनमानी और सरकार की लापरवाही के कारण यह योजना केवल कमीज का साधन बनकर रह गई है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर पीसीसी सड़क को तोड़कर पाइप लीचाया जा रहा है, लेकिन मम्मत नहीं की जा रही, जिससे बारिश में लोगों को तोड़ा जाता है और अमानुषीय से अपील की जा रही। शिवपुर, चरविरा, सेमोरा, मरहटिया समेत अन्य गांवों में योजना का लाभ दिखने की बजाय नुकसान हो रहा है। गढ़वा माला दुर्वे ने उपर्युक्त से अपील की कि वे इस योजना की उत्तरवारी और सड़कों को अनावश्यक नुकसान से बचाएं। साथ ही कहा कि यदि सड़कों को तोड़ा भी जाता है तो उनकी मरम्मत तुरंत कराई जाये, ताकि आमजन को असुविधा न हो।

## आदर्श ग्राम किशनपुर में नाली जाम, परेशानी

पाटन पलामू। प्रखड के आदर्श ग्राम किशनपुर के पुरानी गांवी में बायारा गया है। जिससे किंवदं नाली जाम हो जाने के कारण सड़कों पर हमेशा पानी बहता रहता है। जिससे किंवदं में चलने पर लोग मजबूर हैं। पानी का निकास नहीं होने के कारण बरसात में रोट पर दफ्ट पानी जाने की जाने का अपील हो जाता है। लोगों ने जाने की अपील की जामीणों में इसे लेकर भारी आक्रोश की गयी है।

## देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज को बीएचएमएस व एमडी कोर्स के लिए मिली मान्यता



उपस्थिति प्राचार्य व अन्य कर्मी।

### खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के अधीन संचालित देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च अस्पताल को राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग, नई दिल्ली से शैक्षणिक सत्र 2010 से और एमडी कोर्स की पढ़ाई वर्ष 2023 से हो रही है। नामांकन की गुहार लगाई है। नंदलाल के अनुसार खुशबू देवी एक जून को घर से दवा लाने के लिए निकली थीं, लेकिन उसके बाद से अब तक लौट कर नहीं आई है। नंदलाल ने डंडई थाने में आवेदन देकर पत्नी के लापता होने की सूचना दी है और उसकी सुकृत बरामदी की गुहार लगाई है। नंदलाल के अनुसार खुशबू देवी रविवार की सुबह दवा लाने के लिए मेराल गयी थीं। दो घंटे बीत जाने के बाद जब उन्होंने संपर्क करने की कोशिश की, तो उसकी मोबाइल रिचर्च ऑफ थी। ऐसी बार कॉल करने के बाद वावजूद कोई संपर्क नहीं हो गया। शाम तक डिज़ाइन करने के बाद परिजन विटिह हो गये और आसपास के रिसोर्सों से संपर्क किए और गांवों में तलाश की। लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। खुशबू देवी के हुक्माने के बारे में उन्होंने बताया कि वह हक्के उजले रंग की साड़ी पहनी थी, गोरी रंगां और लालभग 5 फीट 5 इंच लंबी है। नंदलाल ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को उनकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी मिले तो वे मोबाइल नंबर 8092667448 पर संपर्क करें। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अनुमति मिल गई है। आयोग द्वारा 3 जून को जारी पत्र के अनुसार बीएचएमएस में 50 और एमडी होम्योपैथी में 24 सीटों पर नामांकन की स्वीकृति प्रदान की गई है। ज्ञारखंड व विहार में वह पहला ऐसा कॉलेज है जिसे यह मान्यता मिली है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ केशवेन्द्र कुमार विहारी, कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह और कलपीष को प्रदान किया गया है। आयोग का आभार व्यक्त किया और कॉलेज ट्रोडक्ट बनाने वाले कच्चे माल और पैकिंग सामग्री पाई गई।

यूजी और एआईपीजीईटी परीक्षा के माध्यम से होगा। 15 प्रतिष्ठत सीटें औल इंडिया कोटा तथा 85 प्रतिष्ठत झारखंड राज्य कोटा के तहत कार्डिनेंस द्वारा भरी जाएंगी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ केशवेन्द्र कुमार विहारी, कुलाधिपति दिनेश प्रसाद विहारी और कॉलेज के संस्थापकों से अपील करते हुए कहा कि वे नगर परिषद व पर्यटन

## जय श्री पैलेस मैरिज हॉल हुआ सील टुप्लीकेट प्रोडक्ट बनाने की आशंका

### खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। शहर के बींद्रें तिवारी मार्ग स्थित जय श्री पैलेस को बुधवार को प्रशासन ने सील कर दिया। यह कार्बवाई अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार के निर्देश पर की गई। दो दिन पूर्व वहां पुलिस ने छापामारी कर देख व्यापार का खुलासा किया था, जिसमें तीन आयोगी प्रिस्पेक्टर हुए थे। सीलिंग से पहले अधिकारियों की टीम ने होटल परिसर का निरीक्षण किया, जिसमें कुछ और संदिक्षण विविधों के संकेत किये गये। जांच के दौरान भूल पर एक अपील दिए गये। जांच के दौरान भूल पर एक अद्यतन विवरण के संकेत किये गये।

गढ़वा। शहर के बींद्रें तिवारी मार्ग स्थित जय श्री पैलेस को बुधवार को प्रशासन ने सील कर दिया। यह कार्बवाई अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार विहारी, कुलाधिपति दिनेश प्रसाद विहारी और कॉलेज के संस्थापकों से अपील करते हुए कहा कि वे नगर परिषद व पर्यटन



सील करते पदाधिकारी।

विभाग से पंजीकरण कराएं और सभी जरूरी सुरक्षा उपाय अपनाएं। सभी होटलों व मैरिज हॉल में जांच अधियान चलाया जाएगा, नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर हुए कहा कि वे नगर परिषद व पर्यटन

एसटीपीओ नीरज कुमार, प्रशिक्षा डीएसपी चिरांजीवी मंडल, बींद्रीओ कुमार, नरेंद्र नारायण, सीओ सफी आलम, थाना प्रभारी बृज कुमार सहित नगर परिषद कर्मी उपरित्थ थे।

## छत्रपति शिवाजी मैदान पर भूमि विवाद, शीघ्र कार्बवाई की मांग

### खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा के उंची स्थित छत्रपति शिवाजी मैदान को लेकर एक नया विवाद समाप्त हो गया।

धर्म रक्षा वाहिनी और बजार देख्या करने की मांग की जांच जांच करते रहे।

गढ़वा। गढ़वा के उंची स्थित छत्रपति शिवाजी मैदान को लेकर एक नया विवाद समाप्त हो गया।

धर्म रक्षा वाहिनी और बजार देख्या करने की मांग की जांच जांच करते रहे।

गढ़वा। गढ़वा के उंची स्थित छत्रपति शिवाजी मैदान को लेकर एक नया विवाद समाप्त हो गया।

धर्म रक्षा वाहिनी और बजार देख्या करने की मांग की जांच जांच करते रहे।

गढ़वा। गढ़वा के उंची स्थित छत्रपति शिवाजी मैदान को लेकर एक नया विवाद समाप्त हो गया।

धर्म

## कोरोना संकट

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, कुल मामलों में से 4.12 प्रतिशत मामले स्वास्थ्यकर्मियों में दर्ज हुए और भारत में 90 से अधिक डॉक्टर अपनी जान रंगा दिए थे। हालांकि रोजाना छह लाख पौरी पीई किट का उत्पादन शुरू हुआ, परं भी गुणवत्ता और वितरण संबंधी समस्याएँ बनी रहीं। शहरी इलाकों की घनी आबादी और अव्यक्त विरसितियां सामाजिक दूरी का पालन करना मुश्किल बना देती हैं। 2020 का लॉकडाउन प्रवास, बेरोजगारी, और खाद्य संकट का कारण बना। कोरोना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और सर उठा सकता है यह बात प्रमाणित हो रही है। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अधिवयन चलाया, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्धारित कोरोनावाले विरोधी लॉकडाउन का काम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की समस्या आज भी बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और पोस्ट-कोविड देखभाल पर जोर दिया। हालिया दिसंगों में सरकार और संतुलन की रणनीति को प्रमुखता दी गई है। 2021 के बजट में वन हेल्प कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जो मनुष्य, पशु और पर्यावरण की संयुक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को महत्व देता है। मसलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में जूनोटिक महामारियों की आशंका को समुचित रूप से शामिल नहीं किया गया। कोरोना महामारी ने लैंगिक असम्मानकों को औंग गहराया। महिलाओं को नैकरियों से हाथ धोना पड़ा और देखभाल का बोझ भी अधिक पड़ा। स्वास्थ्य बजट की ज्यूनतम 2.5 फीसद तक बढ़ाना समय की मांग है। वैक्सीन विवरण और वैरिएंट निपटनी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत की तैयारी को सुधार कर सकता है।

कैपा कानून पर कितना अमल हुआ?

जिसका पूरा नाम है प्रतिप्रकृत वनरोपण नियंत्रण एवं योजना प्राधिकरण

आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्रम में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैरी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पृष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बन रहेगा। समय पक्ष का बन रहेगा। कोरोनारी काम में प्रगति बनानी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाया दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैरी नजर रखिए। विवरणी नुकसान पहुंचने की कांकिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्राप्ति में समय नहीं गवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से सपन हो जाएगा। व्यापार व्यवसाय में विश्विति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

मिशन : शने-शने स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-पिलाप से काम बनाने की व्यापारियां लाभ देगी। यात्रा का ढूगामी परिवार अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से सपन हो जाएगा। व्यापार व्यवसाय में विश्विति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

विधिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्पाद के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वक्तु या नवीन विधियों को भुगतान करना पड़ता है, वह राश कैम्प फंड में जानी है और इसका उपयोग प्रतिक्रिया करने पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से उत्तम रहेगी।

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बढ़ती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उपके बाट सप्त व्यक्ति सिद्ध होगा। आशाएं बढ़ावाने की व्यापारियां लाभ देगी। लाभदाता कार्यों की व्यापारियां लाभ देगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-6-9

कर्त : मध्याह्न से ही आशाएं बढ़ती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उपके बाट सप्त व्यक्ति सिद्ध होगा। आशाएं बढ़ावाने की व्यापारियां लाभ देगी। लाभदाता कार्यों की व्यापारियां लाभ देगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-6-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाया को दूर कर लेंगे। सूखिया और समन्वय बना रहा है। कामकाज में आवेदन को बढ़ावा देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नाकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अल्पस्य का त्याग करें। कोरोनारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बना रहा है। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-6-8

स्व. डॉ अभ्युत्तु कुमार सिंह

स्वामित्व बुद्धि अभियान

पब्लिकेशन्स

प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक, प्रकाशक

मंजू सिंह

द्वारा चिरंगी, बोडेया रोड, रांची (जारखंड) से मुहित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक

सौरभ कुमार सिंह

संपादक

अविनाश ठाकुर\*

फोन : 95708-48433

पिन: -834006

e-mail

khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.

JHAIHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय

लुम्बी संकुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।

(R.N.I No. आवेदित)

\*पीएआरी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, कुल मामलों में से 4.12 प्रतिशत मामले स्वास्थ्यकर्मियों में दर्ज हुए और भारत में 90 से अधिक डॉक्टर अपनी जान रंगा दिए थे। हालांकि रोजाना छह लाख पौरी पीई किट का उत्पादन शुरू हुआ, परं भी गुणवत्ता और वितरण संबंधी समस्याएँ बनी रहीं। शहरी इलाकों की घनी आबादी और अव्यक्त विरसितियां सामाजिक दूरी का पालन करना मुश्किल बना देती हैं। 2020 का लॉकडाउन प्रवास, बेरोजगारी, और खाद्य संकट का कारण बना। कोरोना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और सर उठा सकता है यह बात प्रमाणित हो रही है। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अधिवयन चलाया, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्धारित कोरोनावाले विरोधी लॉकडाउन का उत्पादन करना शुरू हुआ है। हालांकि बुट्टर डोज का काम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की समस्या आज भी बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और पोस्ट-कोविड देखभाल पर जोर दिया। हालिया दिसंगों में सरकार और संतुलन की रणनीति को प्रमुखता दी गई है। 2021 के बजट में वन हेल्प कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। जो मानुष्य, पशु और पर्यावरण की संयुक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को महत्व देता है। मसलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में जूनोटिक महामारियों की आशंका को समुचित रूप से शामिल नहीं किया गया। कोरोना महामारी ने लैंगिक असम्मानकों को औंग गहराया। महिलाओं को नैकरियों से हाथ धोना पड़ा और देखभाल का बोझ भी अधिक पड़ा। स्वास्थ्य बजट की ज्यूनतम 2.5 फीसद तक बढ़ाना समय की मांग है। वैक्सीन विवरण और वैरिएंट निपटनी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत की तैयारी को सुधार कर सकता है।

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, कुल मामलों में से 4.12 प्रतिशत मामले स्वास्थ्यकर्मियों में दर्ज हुए और भारत में 90 से अधिक डॉक्टर अपनी जान रंगा दिए थे। हालांकि रोजाना छह लाख पौरी पीई किट का उत्पादन शुरू हुआ, परं भी गुणवत्ता और वितरण संबंधी समस्याएँ बनी रहीं। शहरी इलाकों की घनी आबादी और अव्यक्त विरसितियां सामाजिक दूरी का पालन करना मुश्किल बना देती हैं। 2020 का लॉकडाउन प्रवास, बेरोजगारी, और खाद्य संकट का कारण बना। कोरोना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और सर उठा सकता है यह बात प्रमाणित हो रही है। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अधिवयन चलाया, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्धारित कोरोनावाले विरोधी लॉकडाउन का उत्पादन करना शुरू हुआ है। हालांकि बुट्टर डोज का काम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की समस्या आज भी बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और पोस्ट-कोविड देखभाल पर जोर दिया। हालिया दिसंगों में सरकार और संतुलन की रणनीति को प्रमुखता दी गई है। 2021 के बजट में वन हेल्प कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। जो मानुष्य, पशु और पर्यावरण की संयुक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को महत्व देता है। मसलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में जूनोटिक महामारियों की आशंका को समुचित रूप से शामिल नहीं किया गया। कोरोना महामारी ने लैंगिक असम्मानकों को औंग गहराया। महिलाओं को नैकरियों से हाथ धोना पड़ा और देखभाल का बोझ भी अधिक पड़ा। स्वास्थ्य बजट की ज्यूनतम 2.5 फीसद तक बढ़ाना समय की मांग है। वैक्सीन विवरण और वैरिएंट निपटनी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत की तैयारी को सुधार कर सकता है।

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं।











